

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1010

शुक्रवार, 22 नवम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

धरती की सतह का अत्यधिक विक्षोभ

1010. सुश्री मिमी चक्रवर्ती:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार के पास सीस्मोमीटर उपकरण के अलावा धरती की सतह के अत्यधिक विक्षोभ की भविष्यवाणी करने के लिए कोई अन्य विधा या तकनीक है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार के पास भूकंप की पूर्व-सूचना प्राप्त करने के लिए कोई उपग्रह प्रणाली या सूचना रिकॉर्डर उपलब्ध नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार का भूकंप की पूर्व सूचना प्राप्त करने तथा इसके समय, स्थान और तीव्रता की जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेशी सरकारों के साथ कोई समन्वय है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) और (ख) जी नहीं। फिलहाल, दुनिया में कहीं पर कोई भी वैज्ञानिक तकनीक उपलब्ध नहीं है जो स्थान, समय और पैमाने के संदर्भ में उचित डिग्री की सटीकता के साथ भूकंप की घटनाओं की भविष्यवाणी कर सके/पूर्वानुमान लगा सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय राष्ट्रीय भूविज्ञान केन्द्र (एनसीएस), में देश के भीतर और आसपास की भूकंपीय गतिविधि की निरंतर निगरानी के लिए चौबीस घंटे कार्य करने वाला एक भूकंपीय नेटवर्क है।

ऐतिहासिक भूकंपीय और स्थल विशेषताओं के आधार पर बड़े पैमाने पर भूकंपीय क्षेत्रीकरण मानचित्र तैयार करने के लिए कदम उठाए गए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने भारत के भूकंपीय क्षेत्रीकरण मानचित्र को प्रकाशित किया है। इस मानचित्र के अनुसार, पूरे देश को चार भूकंपीय क्षेत्रों अर्थात् क्षेत्र II, III, IV और V में बांटा गया है। इनमें से क्षेत्र V भूकंपीय रूप से सबसे अधिक प्रवण क्षेत्र है, जबकि क्षेत्र II सबसे कम प्रवण है। साथ ही, दिल्ली, कोलकाता, सिक्किम, गुवाहाटी और बंगलुरु जैसे चुनिंदा शहरी इलाकों में भूकंपीय माइक्रोजोनेशन यानी छोटे पैमाने पर विस्तृत खतरे के क्षेत्रीकरण का काम पूरा हो चुका है। दिल्ली और कोलकाता माइक्रोजोनेशन की रिपोर्टें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ये अध्ययन भूमि उपयोग, शहरी नियोजन और इमारतों की रेट्रोफिटिंग आदि के लिए उपयोगी हैं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।
